UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR

SYLLABUS

3/4 Yrs. Undergraduate Programme in B.A. Sanskrit

I & II -Semester

Session - 2025-26

बी.ए.– संस्कृत वर्ष 2025–26

सामान्य निर्देश –

1. प्रत्येक सेमेस्टर में दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक सैद्धान्तिक के साथ मध्यावधि मूल्यांकन सहित 150 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 48 तथा पूर्णांक 120 होंगे और समय 3 घंटे का होगा। इसके साथ प्रत्येक प्रश्नपत्र में 30 अंक मध्यावधि मूल्यांकन हेतु निर्धारित है। उत्तीर्णांक 40% होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के पश्चात् ही मुख्य परीक्षा में परीक्षार्थी को बैठने की अनुमति होगी।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
6. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

परीक्षा योजना –

प्रश्नपत्र	समय	पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
I-Sem प्रथम	3 घंटे	120	48
I-Sem द्वितीय	3 घंटे	120	48
II-Sem प्रथम	3 घंटे	120	48
II-Sem द्वितीय	3 घंटे	120	48

बी.ए.(संस्कृत) वर्ष 2024–25

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : काव्य तथा काव्यशास्त्र

समयः 03 घण्टे　　　　　　　　　　　　　　　　　　अंकः 120

1. प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 48 तथा पूर्णांक 120 होंगे और समय 3 घंटे का होगा।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
6. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

पाठ्यक्रम

Unit – I कुमारसम्भवम् (पंचम सर्ग) – कालिदास　　30 अंक
Unit – II किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – भारवि　　30 अंक
Unit – III रघुवंशम् (षष्ठ सर्ग)– कालिदास　　30 अंक
Unit – IV काव्यदीपिका (1–7 एवं 8 शिखा)　　30 अंक

कुल योग　　**120 अंक (6–क्रेडिट)**

अंक – विभाजन

	प्रश्न संख्या – 1 में लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	'निबन्धात्मक/ व्याख्यात्मक प्रश्न	'ब' भाग के अंक	योग
Unit – I कुमारसम्भवम् (पंचम सर्ग) – कालिदास	02 लघु.	04	02	26 (16+10)	4+26=30
Unit – II किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – भारवि	03 लघु.	06	03	24 (14+10)	6+24=30
Unit – III रघुवंशम् (षष्ठ सर्ग)– कालिदास	02 लघु.	04	04	26 (16+10)	4+26=30
Unit – IV काव्यदीपिका (1–7 एवं 8 शिखा)	03 लघु.	06	05	24 (16+10)	6+24=30
	01 प्रश्न	20	04 प्रश्न	100	120

Dy. Registrar

प्रश्नपत्र निर्माता के लिए अनुदेश –

प्रश्न संख्या 1 को हल करना अनिवार्य है।

I - कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)	2 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	04 अंक
	प्रश्न सं. 2 (अ) चार पद्यों में से किन्ही दो की ससन्दर्भ व्याख्या निर्धारित है ।	16 (8+8) अंक
	प्रश्न सं. 2 (ब) दो समालोचनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	10 अंक
2– किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)	3 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	06 अंक
	प्रश्न सं. 3 (अ) चार पद्यों में से किन्ही पद्यों दो की सप्रसंग व्याख्या पृष्टव्य है ।	14 (7+7) अंक
	प्रश्न सं. 3 (ब) दो समालोचनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	10 अंक
3– रघुवंश (षष्ठ सर्ग)	2 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	04 अंक
	प्रश्न सं. 4 (अ) चार पद्यों में से किन्ही दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या पृष्टव्य है ।	16 (8+8) अंक
	प्रश्न सं. 4 (ब) दो समालोचनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	10 अंक
4– काव्यदीपिका (1 – 7 एवं 8 शिखा)	3 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	06 अंक
	प्रश्न सं. 5 (अ) 1 से शिखा में से चार कारिकाओं में से किन्ही दो कारिकाओं की व्याख्या प्रष्टव्य है ।	14 (7+7) अंक
	प्रश्न सं. 5 (ब) अष्टम शिखा में से चार अलंकारों में से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण प्रष्टव्य है।	10 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग) डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
2– कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग), जगन्नाथ व्यास शास्त्री, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
3– किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – (डॉ.) श्रीमती उर्मिल गुप्त, अजमेरा बुक कं0, जयपुर
4– किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. वेणीमाधव, मुसलगांवकर, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
5– किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. महेशचन्द्र शर्मा, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
6– किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – नवलकिशोर कांकर, जयपुर
7– रघुवंशम्, व्याख्याकार हरगोविंद शास्त्री, चौखम्बा पब्लिकेशन, दिल्ली
8– रघुवंशम् (6–7) सर्ग – व्याख्याकार – प्रभुनाथ द्विवेदी
9– काव्यदीपिका (सम्पूर्ण) – डॉ. विन्ध्येश्वरीप्रसाद मिश्र
10– काव्यदीपिका, डॉ. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

Dy. Registrar
(Academic)
Univ...

बी.ए.(संस्कृत) वर्ष 2024–25
प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र : नाटक तथा छन्द

समयः 3घण्टे — अंकः 120

सामान्य निर्देश –

1. प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 48 तथा पूर्णांक 120 होंगे और समय 3 घंटे का होगा।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
6. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद / निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

पाठ्यक्रम

Unit- I – अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1–4 अंक) – कालिदास	30 अंक
Unit- II – अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5–7 अंक) – कालिदास	30 अंक
Unit- III –स्वप्नवासवदत्तम् –भास	30 अंक
Unit- IV –छन्द एवं अलंकार (अभिज्ञानशाकुलन्तलम् में प्रयुक्त छन्द एवं अलंकार)	30 अंक
कुल योग	**120 अंक (6–क्रेडिट)**

अंक – विभाजन

	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न	'ब' भाग के अंक	योग
Unit- I – अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1–4 अंक) – कालिदास	02 लघु.	04	02	26 (16+10)	4+26=30
Unit- II – अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5–7 अंक) – कालिदास	02 लघु.	04	02	26 (16+10)	4+26=30
Unit- III – स्वप्नवासवदत्तम् –भास	03 लघु.	06	02	24 (14+10)	6+24=30
Unit- IV – छन्द एवं अलंकार (अभिज्ञानशाकुलन्तलम् में प्रयुक्त छन्द एवं अलंकार)	03 लघु.	06	02	24 (14+10)	6+24=30
	10	20	8	100	120

प्रश्नपत्र निर्माता के लिए अनुदेश –

प्रश्न संख्या 1 को हल करना अनिवार्य है।

Unit- I – अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1–4 अंक) –कालिदास	2 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	04 अंक
	प्रश्न सं. 2 (अ) चार पद्यों में से किन्ही दो की ससन्दर्भ व्याख्या निर्धारित है ।	16 (8+8) अंक

Dy. Registrar
(Academic)
University of

	प्रश्न सं. 2 (ब) दो समालोचनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	10 अंक
Unit- II – अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5–7 अंक) –कालिदास	2 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	04 अंक
	प्रश्न सं. 3 (अ) चार पद्यों में से किन्ही पद्यों दो की सप्रसंग व्याख्या पृष्टव्य है ।	16 (8+8) अंक
	प्रश्न सं. 3 (ब) दो समालोचनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	10 अंक
Unit- III – स्वप्नवासवदत्तम् –भास	3 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	06 अंक
	प्रश्न सं. 4 (अ) चार पद्यों में से किन्ही दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या पृष्टव्य है ।	14 (7+7) अंक
	प्रश्न सं. 4 (ब) दो समालोचनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	10 अंक
Unit- IV – छन्द एवं अलंकार (अभिज्ञानशाकुलन्तलम् में प्रयुक्त छन्द एवं अलंकार)	3 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	06 अंक
	प्रश्न सं. 5 (अ) चार छन्दों में से किन्ही दो छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण पृष्टव्य है ।	12 (6+6) अंक
	प्रश्न सं. 5 (व) चार अलंकारों में से किन्ही दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण पृष्टव्य है ।	12 (6+6) अंक

सहायक पुस्तकें–

1– अभिज्ञानशाकुन्तलम् – प्रो0 एम.आर. काले, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2– अभिज्ञानशाकुन्तलम् – प्रो0 एम.आर. आचार्य, निर्णय सागर प्रेस, बंबई
3– अभिज्ञानशाकुन्तलम् – सम्पादक– देवधर एवं सूरि, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4– अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. एस.के. वेल्वल्कर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
5– अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
6– महाकवि कालिदास – डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
7– महाकवि कालिदास और शाकुन्तलम् – एक शास्त्रीय समीक्षा, हिन्दी साहित्य भण्डार, लखनऊ
8– इमेजरी ऑफ कालिदास – डॉ. भण्डारे, पापुलर प्रकाशन, बम्बई
9– महाकवि कालिदास और अभिज्ञानशाकुन्तलम् (दो खण्ड), श्रीमती डॉ. मधु सक्सेना, मानसी प्रकाशन, मेरठ
10– संस्कृत कवि दर्शन – डॉ. भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
11– छन्दोलंकार शाकुन्तलम् – श्री रेवतीरमण शास्त्री, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर
12– छन्दःशाकुन्तलम् – डॉ. शिवसागर त्रिपाठी, जयपुर
13– छन्दोलंकारमीमांसा – डॉ. श्रीमती उर्मिल गुप्ता, अजमेरा बुक कं., जयपुर
14 –काव्यदीपिका, श्री कांतिचन्द्र भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
15– स्वप्नवासवदत्तम् – व्याख्याकार डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा पब्लि., दिल्ली
16– स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, रचना प्रकाशन जयपुर

Dy. Registrar
(Academic)
University

बी.ए.(संस्कृत) वर्ष 2024-25
द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र : गद्य साहित्य एवं द्रुतपाठ

समयः 3घण्टे अंकः 100

सामान्य निर्देश –

1. प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 48 तथा पूर्णांक 120 होंगे और समय 3 घंटे का होगा।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
6. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत मे उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

पाठ्यक्रम

I - दशकुमारचरितम् (अष्टमोच्छ्वास उत्तरपीठिका सहित) – दण्डी	30 अंक
II - शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – बाणभट्ट	30 अंक
III - शिवराजविजयम् (प्रथम निश्वास) श्री अम्बिकादत्त व्यास	30 अंक
IV - नीतिशतकम्	30 अंक
कुल योग	120 अंक

अंक – विभाजन

	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न	'ब' भाग के अंक	योग
Unit-I–दशकुमारचरितम् (अष्टमोच्छ्वास उत्तरपीठिका सहित) – दण्डी	02 लघु	04	02	26 (16+10)	4+26=30
Unit- II – शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – बाणभट्ट	02 लघु.	04	02	26 (16+10)	4+26=30
Unit- III – शिवराजविजयम् (प्रथम निश्वास) श्री अम्बिकादत्त व्यास	03 लघु.	06	02	24 (14+10)	6+24=30
Unit- IV – नीतिशतकम्	03 लघु.	06	02	24 (14+10)	6+24=30
	10	20	8	100	120

प्रश्नपत्र निर्माता के लिए अनुदेश

प्रश्न संख्या 1 को हल करना अनिवार्य है।

Unit-I–दशकुमारचरितम् (अष्टमोच्छ्वास उत्तरपीठिका सहित) – दण्डी	2 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	04 अंक
	प्रश्न सं. 2 (अ) चार गद्यांशों में से किन्ही दो गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या निर्धारित है ।	16 (8+8) अंक

Rj Jain

Bal

	प्रश्न सं. 2 (ब) दो समालोचनात्मक / विषयवस्तुपरक समीक्षात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	12 अंक
Unit- II – शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – बाणभट्ट	2 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	04 अंक
	प्रश्न सं. 3 (अ) चार गद्यांशों में से किन्ही दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या पृष्टव्य है ।	16 (8+8) अंक
	प्रश्न सं. 3 (ब) दो समालोचनात्मक / विषयवस्तुपरक समीक्षात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	10 अंक
Unit- III – शिवराजविजयम् (प्रथम निश्वास) श्री अम्बिकादत्त व्यास	3 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	06 अंक
	प्रश्न सं. 4 (अ) चार गद्यांशों में से किन्ही दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या पृष्टव्य है ।	14 (7+7) अंक
	प्रश्न सं. 4 (ब) दो समालोचनात्मक / विषयवस्तुपरक समीक्षात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	10 अंक
Unit- IV – नीतिशतकम्	3 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 2 अंक निर्धारित है।	06 अंक
	प्रश्न सं. 5 (अ) चार पद्यों में से किन्ही दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या पृष्टव्य है ।	14 (7+7) अंक
	प्रश्न सं. 5 (ब) दो समालोचनात्मक / विषयवस्तुपरक समीक्षात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है।	10 (अंक)
	कुल योग	120 अंक

सहायक पुस्तकें –

1– दशकुमारचरितम्, डॉ. सुधीरकुमार गुप्त, जयपुर
2– शुकनासोपदेश – डॉ. सुभाष वेदालंकार एवं श्री उमेश शास्त्री, अजमेरा बुक कं., जयपुर
3– पं. अम्बिकादत्त व्यास – व्यक्तित्व एवं कृतित्व – राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
4– नीतिशतक – डॉ0 गोपालशर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5– शिवराजविजयम् (प्रथम निश्वास) अम्बिकादत्त व्यास, साहित्यभण्डार मेरठ

Dy. Registrar (Acad.) University of Rajasthan JAIPUR

बी.ए.(संस्कृत) वर्ष 2024-25
द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र : भारतीय संस्कृति के तत्त्व, व्याकरण, अनुवाद तथा निबन्ध

सामान्य निर्देश –

1. प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 48 तथा पूर्णांक 120 होंगे और समय 3 घंटे का होगा।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
6. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

समयः 3घण्टे — अंकः 120

पाठ्यक्रम

Unit-I – व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) — 30 अंक

(क) संज्ञा प्रकरण	6 अंक
(ख) अच् संधि	8 अंक
(ग) हल् संधि	8 अंक
(घ) विसर्ग संधि	8 अंक

Unit-II - नामिक अजन्त प्रकरण– राम, हरि, गुरु, रमा, मति, नदी, ज्ञान, वारि। — 30 अंक

Unit-III - अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत) — 30 अंक

30 अंक

Unit-IV - भारतीय संस्कृति के तत्त्व

क) भारतीय संस्कृति : विषय, पृष्ठभूमि, विशेषताएँ
ख) भारतीय संस्कृति के विकास की रूपरेखा : पूर्ववैदिक काल, वैदिकोत्तरकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल।
ग) प्राचीनकालीन राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति
घ) वर्ण, आश्रम एवं संस्कार।
ड़) शिक्षा (वैदिककाल से 7वीं शताब्दी तक)
च) लेखन –कला की उत्पत्ति
छ) भारतीय दर्शन की प्रमुख विचारधाराएँ
ज) भारतीय संस्कृति का मानव–कल्याण में योगदान

कुल योग — 120 अंक

अंकविभाजन

	प्रश्न संख्या 1 में लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	'निबन्धात्मक/ व्याख्यात्मक प्रश्न	'ब' भाग के अंक	योग

Unit-I – व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)					
क) संज्ञा	01 (लघु)	02	1 अ	04	8+22=30
ख) अच् संधि	01 (लघु)	02	1 ब	06	
ग) हल् संधि	01 (लघु)	02	1 स	06	
घ) विसर्ग संधि	01 (लघु)	02	1 द	06	
Unit-II - नामिक अजन्त प्रकरण– राम, हरि, गुरु, रमा, मति, नदी, ज्ञान, वारि।	03 (लघु)	06	2 अ 2 ब	24	6+24=30
Unit-III - अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)	–	–	01–20	30	10X3=30
Unit-IV - भारतीय संस्कृति के तत्त्व	03 (लघु.)	6	02	22	6+24=30
	10	20	08	100	120

प्रश्नपत्र निर्माता के लिए अनुदेश

प्रश्न संख्या 1 को हल करना अनिवार्य है।

Unit-I – व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)		
क– संज्ञा–प्रकरण ख– अच् संधि ग– हल् संधि घ– विसर्ग संधि	4 लघूत्तरात्मक प्रश्न प्रष्टव्य है – प्रति प्रश्न 2 अंक। प्रश्न सं. 2(अ) – संज्ञा प्रकरण में से चार सूत्र पूछकर किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। प्रति सूत्र 2 अंक निर्धारित है। प्रश्न सं. 2(ब) – अच् संधि में से चार सूत्र पूछकर किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। प्रति सूत्र 3 अंक निर्धारित है। प्रश्न सं. 2(स) – हल् संधि में से चार सूत्र पूछकर किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। प्रति सूत्र 3 अंक निर्धारित है। प्रश्न सं. 2(द) – चार शब्द पूछकर किन्ही दो की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धि अपेक्षित है। प्रति रूपसिद्धि 3 अंक निर्धारित है।	6+24(4+6+6+6)=30
Unit-II - नामिक अजन्त प्रकरण	3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पृष्टव्य हैं प्रति प्रश्न 2 अंक प्रश्न 3 (अ) आठ सूत्र पूछकर किन्हीं चार की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। प्रति सूत्र 3 अंक निर्धारित है। प्रश्न 3 (ब) आठ शब्द पूछकर किन्ही चार की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धि अपेक्षित है। प्रति रूपसिद्धि 3 अंक निर्धारित है।	6+24=30
Unit-III - अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)	प्रश्न 4 – 20 वाक्य पूछकर 10 वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित। प्रति वाक्य 3 अंक निर्धारित है।	30 अंक
Unit-IV - भारतीय संस्कृति के तत्त्व	3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पृष्टव्य हैं – प्रति प्रश्न 2 अंक प्रश्न सं. 5 (अ) दो समालोचनात्मक/ विषयवस्तुपरक समीक्षात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है। 12 अंक।	6+24=30 अंक

University of Rajasthan
JAIPUR

	प्रश्न सं. 5 (ब) विषयवस्तुपरक 4 टिप्पियों में से 2 टिप्पणी पृष्टव्य। 6+6 अंक	

सहायक पुस्तकें :

1– कीथ – क्लासिक संस्कृत लिटरेचर
2– पाण्डेय व व्यास -- संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, साहित्य निकेतन, कानपुर
3– डॉ. रामजी उपाध्याय--संस्कृत का आलोचनात्मक इतिहास, लाला बेनीमाधव, इलाहाबाद
4– सत्यनारायण शास्त्री – संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
5– डॉ. देवीचन्द्र शर्मा व डॉ. रणजीत शर्मा – संस्कृत साहित्य का सरल इतिहास, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
6– बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास
7– रामयणकालीन संस्कृति व समाज – शान्तिकुमार नानूराम व्यास
8– लघुसिद्धान्तकौमुदी – व्याख्या – डॉ. पुष्करदत्त शर्मा, अजमेरा बुक कं. जयपुर
9– लघुसिद्धान्तकौमुदी – वरदाचार्य – महेशसिंह कुशवाहा
10– – लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भंडार, जयपुर
11– संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका – डॉ. बाबूराम सक्सेना
12– व्याकरण साहित्य प्रकाश – डॉ. नारायणशास्त्री कांकर
13– प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वाराणसी
14– अनुवादचन्द्रिका – श्री चक्रधर हंस

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR